# Hindi Sample Paper - 11

SECTION-IA : **हिन्दी**

1. **अन्न को पचाने वाली अग्नि है-**
(a) जठराग्नि (b) बड़वाग्नि
(c) दावाग्नि (d) दावानल

2. **इनमें कौन-सा वाक्य शुद्ध है?**
(a) सीता ने यह कहा
(b) सीता ने यह कही
(c) सीता यह कही
(d) सीता यह कहा

3. **'भला मैं क्या कर सकता हूँ' वाक्य में 'भला' शब्द है–**
(a) संज्ञा (b) सर्वनाम
(c) विशेषण (d) अव्यय

4. **'राधा गीत गाएगी' वाक्य में काल पहचानिए–**
(a) सामान्य भविष्य काल
(b) पूर्ण वर्तमान काल
(c) सामान्य वर्तमान काल
(d) सामान्य भूत काल

5. **निम्नलिखित में से एक वाक्य में क्रिया 'भक्षण' करने के अर्थ में प्रयुक्त हुई है। यह वाक्य है–**
(a) वह हराम का पैसा खाता है
(b) वह जूते खाता है
(c) वह कसम खाता है
(d) वह आम खाता है

6. **नीचे दिए गए वाक्य के पहले और अंतिम भाग को क्रमशः (1) और (6) की संख्या दी गई है इनके बीच के अंशों को चार भागों में बांटकर (य),(र),(ल) तथा (व) की संख्या दी गई है। ये चारों भाग उचित क्रम में नहीं हैं इन चारों को उचित क्रम में लगाएं ताकि एक सही वाक्य बन सके–**
(1) **जिस प्रकार**
**(य) दहकना है उसी प्रकार।**
**(र) उसके स्वभाव का।**
**(ल) मनुष्य का धैर्य।**
**(व) अग्नि का धर्म।**
**(6) पर्याय होना चाहिए।**
(a) य ल य व (b) व य र ल
(c) व य ल र (d) ल य व र

7. **निम्नलिखित में से स्त्रीलिंग शब्द को चुनिए–**
(a) धुआँ (b) संध्या
(c) भत्ता (d) धावा

8. **'धूसर' किसका पर्याय है–**
(a) अश्व (b) मेघ
(c) गर्दभ (d) अजा

9. **'हर्ष' का विलोम है–**
(a) करुणा (b) विषाद
(c) क्रोध (d) कायरता

10. **'जगदीश' शब्द की सही संधि होगी–**
(a) जगत् + इश (b) जगत् + ईश
(c) जगद् + ईश (d) जगद + ईश

11. **'बड़े बड़ाई ना करें, बड़े न बोले बौले।'**
**रहिमन हीरा कब कहै, लाख टके का मोल॥'**
**रहीम द्वारा लिखित इन पंक्तियों में 'बड़े' शब्द का प्रयोग जिस रूप में हुआ है, वह है–**
(a) विशेषण (b) संज्ञा
(c) सर्वनाम (d) क्रिया विशेषण

12. **'यह काम मैं अपने आप कर लूँगा' पंक्तियों में 'आप' है–**
(a) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
(b) निजवाचक सर्वनाम
(c) निश्चयवाचक सर्वनाम
(d) पुरुषवाचक सर्वनाम

13. **'उबटन' शब्द का तत्सम रूप है–**
(a) उर्द्वतन (b) उपलेपन
(c) उपः लेपन (d) उद्वर्तन

14. **हिन्दी भाषा में 'वचन' कितने प्रकार के हैं?**
(a) 3 (b) 2
(c) 4 (d) 5

15. **'मरम वचन जब सीता बोला' पंक्ति का प्रयोग हुआ है–**
(a) कर्मवाच्य (b) कृर्तवाच्य
(c) गलत वाक्य (d) भाववाच्य

16. **वह भाई जो अन्य माता से उत्पन्न हुआ हो कहलाता है–**
(a) अन्योदर (b) दूरस्थ
(c) औरस (d) सहोदर

17. **निम्नलिखित मिश्र वाक्यों में से कौन-सा विशेषण उपवाक्य है?**
(a) मैं कहता हूँ कि तुम भोपाल जाओ
(b) लखनऊ, जो उत्तर प्रदेश की राजधानी है, एक ऐतिहासिक नगर है
(c) जब मैं स्टेशन पहुँचा, तभी ट्रेन आई
(d) मैं चाहता हूँ कि आप यही रहें

18. **निम्नलिखित में से कौन-सा विपरीतार्थक युग्म सही सुमेलित है?**
(a) उद्योगी - अनुद्यत
(b) औरस - जारज
(c) उन्मत - दिमुख
(d) उच्छवास - अनुच्छिष्ट

19. **निम्नलिखित में से कौन-सा अल्पविराम चिन्ह है?**
(a) (.) (b) (;)
(c) (,) (d) (।)

20. **हिंदी के स्पर्श व्यंजन के पाँचों वर्गों के दूसरे और चौथे वर्ण होते हैं-**
(a) अल्पप्राण व्यंजन
(b) महाप्राण व्यंजन
(c) घोष व्यंजन
(d) अघोष व्यंजन

21. **''सखिन्ह सहित हरषीं अति रानी।**
**सूखत धानु पराजनु पानी।''**
**इस पंक्ति में अलंकार है–**
(a) सम्भावना (b) विभाजना
(c) उत्प्रेक्षा (d) श्लेष

22. **''सौं सिवधनु मृनाल की नाईं।**
**तोरहूँ राम गणेन गोसाईं।''**
**इस पंक्ति में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?**
(a) विभावना (b) वक्रोक्ति
(c) अर्थान्तरन्यास (d) उपमा

23. **निम्नलिखित में से कौन-सा संयुक्त स्वर है?**
(a) ए, ऐ, ऋ (b) अ, ए, ओ
(c) आ, ऐ, औ (d) ए, ऐ, ओ, औ

24. **पूर्वी हिन्दी विकसित हुई है–**
(a) पिशाची अपभ्रंश से
(b) अर्धमागधी अपभ्रंश से
(c) शौरसेनी अपभ्रंश से
(d) मागधी अपभ्रंश से

25. **भारत में आर्यभाषा का आरम्भ कब हुआ?**
(a) 1600 ई. पूर्व के आसपास
(b) 1500 ई. पूर्व के आसपास
(c) 1400 ई. पूर्व के आसपास
(d) 1300 ई. पूर्व के आसपास

26. **'जलधि' में कौन-सा समास है?**
(a) कर्मधारय (b) तत्पुरुष
(c) अव्ययीभाव (d) द्वन्द्व

27. **निम्नलिखित तत्सम-तद्भव में से कौन-सा विकल्प अशुद्ध है?**
(a) गधा-गर्दभ (b) गहरा-उथला
(c) पाँव-पाम (d) जौं-यव

28. **कृदन्त प्रत्यय निम्न शब्दों के साथ जुड़ते हैं–**
(a) संज्ञा
(b) सर्वनाम
(c) क्रिया
(d) इनमें से कोई नहीं

29. **'ड़' और 'ढ़' को कौन-सा वर्ण कहा जाता है?**
(a) सजातीय वर्ण
(b) विजातीय वर्ण
(c) विकसित वर्ण
(d) इनमें से कोई नहीं

30. **निम्न शब्द युग्म के विकल्पों में कोई एक विकल्प सही नहीं है। गलत युग्म का चयन कीजिए–**
(a) सवर्ग-सवर्ण (b) सँवार-बिगार
(c) षष्टी-षष्ठी (d) शूर-सूर

31. **उत् + शृंखला का सन्धि शब्द होगा–**
(a) उतश्रृंखला (b) उच्छृंखल
(c) उत्संखल (d) उच्श्रंखला

32. **''दिल कँपा देना'' मुहावरे का सही अर्थ है–**
(a) हरा देना (b) मार्मिक होना
(c) दिल टूटना (d) ठण्ड लगना

33. **''इच्छा पूरी करना'' निम्न में से किस मुहावरे का अर्थ है?**
(a) अवसर चूकना
(b) आस करना
(c) याचना करना
(d) अरमान निकालना

34. **''ऊँची दुकान फीका पकवान'' लोकोक्ति का सही अर्थ है–**
(a) ऊँचे पर बनी दुकान के पकवान मीठे नहीं होते हैं
(b) ऊँची दुकान महँगी होती है
(c) दिखावटी वस्तु में गुणवत्ता कम होती है
(d) दिखावटी में आकर्षण अधिक रहता है

35. **''एक तो चोरी ऊपर से सीना जोरी'' लोकोक्ति का सही अर्थ है–**
(a) अपराध करके छिपाना
(b) अपराधी होकर उल्टा अकड़ दिखाना
(c) अपराध करके साफ मुकर जाना
(d) अपराध करके उसे गलत मानना

**निर्देश–( प्रश्न 36–40 ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

प्राचीन भारत में शिक्षक को पिता से अधिक महान् बताया गया है। समाज में उसका स्थान सर्वोच्च था। श्वेताश्वतरोपनिषद् में गुरु को ईश्वर के पद पर रखकर उसे परम श्रद्धास्पद बताया गया है। शिक्षक अपने ज्ञान के प्रकाश से अज्ञानता रूपी अन्धकार को दूर भगाता था और समाज को एक नई दिशा देता था। आपस्तंभ धर्मसूत्र में इसीलिए कहा गया है कि शिष्य को अपने गुरु को भगवान की भाँति मानना चाहिए। गुरु के प्रति श्रद्धा की भावना का प्रमाण एकलव्य की कथा से मिलता है।

गुरु की सेवा से शिष्य को ब्रह्मलोक की प्राप्ति होती है। मत्स्य पुराण में भी उल्लेख मिलता है कि मनुष्य तपस्या, ब्रह्मचर्य, अग्नि और गुरु की सुश्रुषा से स्वर्ग को प्राप्त करता है। अत: आचार्य एवं माता-पिता आदि का अपमान नहीं करना चाहिए, क्योंकि आचार्य ब्रह्मा का, पिता प्रजापति का और माता पृथ्वी का स्वरूप है। एक अन्य स्थान में यह कहा गया है कि आचार्य की यत्नपूर्वक पूजा करनी चाहिए, क्योंकि जहाँ आचार्य की पूजा नहीं होती, वहाँ सारी क्रियाएँ निष्फल हो जाती है। शिक्षक उच्च चरित्र वाला, अपने विषय में पारंगत, वाक्-चतुर, तार्किक, रोचक कथाओं का ज्ञाता एवं सदाचारी होता था। महाभारत में उल्लेख मिलता है कि शिक्षक को विनयी, विनम्र, निष्पक्ष, नैष्ठिक, ब्रह्मचारी, शान्त-चित्त, प्रखर बुद्धि वाला तथा व्याख्या करने में कुशल होना चाहिए।

शिक्षक के लिए आचार्य, उपाध्याय, गुरु, अध्यापक आदि शब्द प्रयुक्त हुए हैं। वैसे तो यह समानार्थक प्रतीत होते हैं, परन्तु उनमें भिन्नता है। आचार्य उपनयन के पश्चात् अपने शिष्यों को आचार-व्यवहार की भी शिक्षा देता था। याज्ञवल्क्य उपनयन के पश्चात् वेद पढ़ाने वाले को आचार्य मानते हैं। मनु के अनुसार, जो ब्राह्मण, शिष्य का यज्ञोपवीत करके उपनिषद् सहित वेद की सभी शाखाओं को पढ़ाता है उसे आचार्य कहा जाता है। अपने शिष्यों से जो धन आदि लेकर परिवार का पालन-पोषण करता था उसे उपाध्याय की संज्ञा से सम्बोधित किया गया है। मनु ने उपाध्याय की परिभाषा बताते हुए कहा है कि जो वेद के एक अंश अर्थात् मन्त्र एवं ब्राह्मण को तथा वेद के अंग, व्याकरण आदि को जीविका के लिए पढ़ाता है, वह उपाध्याय कहा जाता है, जो गर्भाधान आदि संस्कारों को विधि-पूर्वक करता है और अन्नादि के द्वारा अपने परिवार को बढ़ाता है अर्थात् पालन करता है वह ब्राह्मण, गुरु कहा जाता है। वरण किया हुआ जो ब्राह्मण अग्न्याधेय, पाकयज्ञ और अग्निष्टोम आदि यज्ञों को जिसकी ओर से करता था, वह उसका ऋत्विक कहलाता था।

36. **निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?**
(a) यज्ञोपवीत धारण कर सभी वेद व उपनिषदों की शिक्षा देने वाला आचार्य कहलाता है
(b) वेद के अंग, व्याकरण आदि को पढ़ाने वाला उपाध्याय कहलाता है
(c) उपनयन आदि संस्कारों को सम्पन्न करने वाला ब्राह्मण, गुरु कहलाता है
(d) उपनयन के पश्चात् वेद की शिक्षा देने वाला आचार्य कहलाता है।

37. **प्रस्तुत गद्यांश में निम्नलिखित में से किस ऋषि का उल्लेख नहीं है?**
(a) याज्ञवल्क्य (b) मनु
(c) विश्वामित्र (d) ये सभी

38. **प्रस्तुत गद्यांश में निम्नलिखित में किस ग्रन्थ का उल्लेख नहीं है?**
(a) मत्स्य पुराण
(b) याज्ञवल्क्य स्मशति
(c) महाभारत
(d) श्वेताश्वतरोपनिषद्

39. **प्राचीन भारत में शिक्षक को किसके समतुल्य समझा जाता था?**
(a) पिता (b) पुजारी
(c) ब्रह्मा (d) ईश्वर

40. **किस ग्रन्थ में यह कहा गया है कि गुरु की सेवा से स्वर्ग की प्राप्ति होती है?**
(a) महाभारत (b) आपस्तंभ सूत्र
(c) मत्स्य पुराण (d) रामायण

41. **नीलोत्पलम् में कौन-सा समास है?**
(a) कर्मधारय (b) बहुब्रीहि
(c) अव्ययीभाव (d) तत्पुरुष

42. **'सागर मुद्रा' के लेखक हैं–**
(a) मुक्ति बोध
(b) अज्ञेय
(c) धर्मवीर भारती
(d) गिरिजा कुमार माथुर

43. **'रूपाभ' के सम्पादक हैं–**
(a) पन्त (b) प्रसाद
(c) निराला (d) हरिऔध

44. **'अपराजिता' के लेखक हैं–**
(a) नरेन्द्र शर्मा (b) अंचल
(c) दिनकर (d) माखनलाल चतुर्वेदी

45. **'वैराग्य संदीपनी' के रचनाकार हैं–**
(a) सूरदास (b) रहीम
(c) तुलसीदास (d) नन्ददास

**निर्देशः गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र. सं. 46 से 50) में सबसे उचित विकल्प चुनिए-**

मनु बहन ने पूरे दिन की डायरी लिखी, लेकिन एक जगह लिख दिया, ''सफाई वगैरह की।''

गाँधी जी प्रतिदिन डायरी पढ़कर उस पर अपने हस्ताक्षर करते थे। आज की डायरी पर हस्ताक्षर करते हुए गाँधी जी ने लिखा, ''कातने की गति का हिसाब लिखा जाए। मन में आए हुए विचार लिखे जाएँ। जो-जो पढ़ा हो, उसकी टिप्पणी लिखी जाए। 'वगैरह' का उपयोग नहीं होना चाहिए। डायरी में 'वगैरह' शब्द के लिए कोई स्थान नहीं है।''

जिसने जो पढ़ा हो, वह लिखा जाए। ऐसा करने से पढ़ा हुआ कितना पच गया है, यह मालूम हो जाएगा। जो बातें हुई हों वे लिखी जाएँ। मनु ने अपनी गलती का अहसास किया और डायरी विधा की पवित्रता को समझा।

गाँधी जी ने पुनः मनु से कहा– ''डायरी लिखना आसान कार्य नहीं है। यह इबादत करने जैसी विधा है। हमें शुद्ध व सच्चे रूप से प्रत्येक छोटी-बड़ी घटना को निष्पक्ष रूप से लिखना चाहिए चाहे कोई बात हमारे विरुद्ध ही क्यों न जा रही हो। इससे हममें सच्चाई स्वीकार करने की शक्ति प्राप्त होगी।''

(*गाँधी जी के रोचक संस्मरण*)

46. **मनु को अपनी किस गलती का अहसास हुआ?**
(a) उन्होंने डायरी में सही-सही बातें लिखी थीं
(b) उन्होंने डायरी में 'वगैरह' शब्द का प्रयोग किया था
(c) उन्होंने गाँधी जी की बात नहीं मानी थी
(d) मनु ने डायरी में कातने की गति का हिसाब लिखा था

47. **गाँधी जी ने 'वगैरह' शब्द पर अपनी आपत्ति क्यों जताई?**
(a) 'वगैरह' शब्द में कार्य और विचार की स्पष्टता नहीं है
(b) वे चाहते थे कि बातों को ज्यों-का-त्यों लिखा जाए
(c) 'वगैरह' शब्द की जगह 'आदि' शब्द का प्रयोग सही है
(d) गाँधी जी चाहते थे कि सही भाषा का प्रयोग हो

48. **गाँधी जी ने डायरी लिखने को इबादत करने जैसा क्यों कहा है?**
(a) दोनों कार्य रोज किए जाते हैं
(b) दोनों में सच्चाई और ईमानदारी चाहिए
(c) दोनों में समय लगता है
(d) दोनों कार्य हमारे कर्तव्यों में शामिल हैं

49. **डायरी लिखना इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि–**
(a) गाँधी जी इसे महत्त्वपूर्ण मानते थे
(b) इससे व्यक्ति का समय अच्छा गुजर जाता है
(c) इसमें व्यक्ति स्वयं का विश्लेषण करता है और स्व-मूल्यांकन भी करता है
(d) इससे व्यक्ति पूरे दिन किए गए जमा-खर्च का हिसाब-किताब कर सकता है

50. **गाँधी जी प्रतिदिन डायरी पढ़कर क्या करते थे?**
(a) डायरी पर हस्ताक्षर करते थे और यह देखते थे कि व्यक्ति अपने कार्य और विचार में किस दिशा में जा रहा है
(b) हस्ताक्षर करते थे ताकि जाँच का प्रमाण दिया जा सके
(c) हस्ताक्षर करते थे क्योंकि यह नियम था
(d) लोगों को उनकी गलती का अहसास कराते थे

# Answers with Explanations

## SECTION-IA : **हिन्दी**

1. (a) अन्न को पचाने वाली अग्नि जठराग्नि कहलाती है। जबकि समुद्र की अग्नि को बड़वाग्नि कहते हैं तथा जंगल की आग को दावाग्नि कहते हैं।

2. (a) 3. (d)

4. (a) 'राधा गीत गाएगी' वाक्य में सामान्य भविष्य काल है। जब क्रिया के सामान्यतः भविष्य में होने का बोध होता हो, तो उसे सामान्य भविष्य काल कहते हैं।

5. (d)

6. (c) वाक्य का सही क्रम है- जिस प्रकार अग्नि का धर्म दहकना है, उसी प्रकार मनुष्य का धैर्य उसके स्वभाव का पर्याय होना चाहिए।

7. (b)

8. (c) 'धूसर' गर्दभ का पर्याय है। 'गर्दभ' के अन्य पर्याय शब्द हैं- गदहा, खर, वैशाखनन्दन, रासभ, वेशर, चक्रीवान आदि।

9. (b)

10. (b) जगदीश शब्द की सही संधि जगत् + ईश होगी। जिन दो वर्णों में सन्धि होती है उनमें से पहला वर्ण यदि व्यंजन हो और दूसरा वर्ण व्यंजन अथवा स्वर हो तो जो विकार होगा, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

11. (b) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहा जाता है। जो शब्द विशेषता बताते हैं उन्हें विशेषण तथा जिसकी विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहा जाता है। किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव आदि का नाम ही उसकी संज्ञा कही जाती है। संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं। जो शब्द क्रिया की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें क्रिया विशेषण कहा जाता है।

12. (d) सम्बन्धवाचक सर्वनाम में 'जो' 'सो', निश्चयवाचक सर्वनाम में 'यह', 'ये', 'वह' 'वे' तथा पुरुष वाचक सर्वनाम में, मैं, हम, तू, तुम, आप, वह, वे, यह, ये आदि का प्रयोग होता है।

13. (d) 'उबटन' शब्द का तत्सम रूप 'उद्वर्तन' है। अन्य शब्द उबटन के तत्सम रूप नहीं है।

14. (b) हिन्दी में केवल दो वचन होते हैं-एकवचन और बहुवचन। संस्कृत में तीन वचन होते हैं-एक वचन, द्विवचन और बहुवचन। संज्ञा, सर्वनाम आदि की संख्या बतलाने वाले रूप वचन कहलाते हैं- जाति के अर्थ में एकवचन का प्रयोग होता है। जैसे-मनुष्य जाति मरणशील है। वर्ग, गण समुदाय चतुष्ट्य आदि शब्द बहुत्व होते हुए भी एकवचन में प्रयुक्त होते हैं, जैसे शिक्षकगण:, छात्रगण: आदि समाहार द्विग बहुत्वबोधक होते हुए भी एकवचन में प्रयुक्त होता है।

15. (d) प्रस्तुत पंक्ति की अवधी बोली में सीता स्त्रीलिंग के साथ 'बोला' क्रिया रूप असंगत है। जहाँ क्रिया की प्रधानता के कारण लिंग कोई मायने नहीं रखता है, वहाँ भाववाच्य होता हैं। जिस वाक्य में क्रिया प्रधान होती है उस वाक्य को भाववाच्य कहते हैं। यदि इसे खड़ी बोली का वाक्य मानकर स्वीकार किया जाए तो 'बोला' असंगत नहीं होगा।

16. (a) 17. (b) 18. (b)

19. (c) **विराम चिन्ह**-किसी भी भाषा में विचारों की जटिलता और भावों का उतार-चढ़ाव समझे बिना भाषा के तत्व को समझना कठिन है। इसके लिए विरामादि चिन्हों की सहायता लेना आवश्यक है। विराम का अर्थ है-रुकना या ठहरना। हर्ष, विषाद, प्रसन्नता, आश्चर्य आदि का प्रकटीकरण लिखित भाषा में करने हेतु शब्दों और वाक्यों के अंत में लगने वाले ऐसे चिन्हों को विराम चिन्ह कहते हैं। मुख्य विराम चिन्ह हैं-(i) अल्प विराम ( ,) (ii) अर्द्ध विराम (;) (iii) उप विराम (:), (iv) पूर्ण विराम (I), प्रश्न सूचक (?), विस्मय सूचक (!), संयोजक (-), विवरण चिन्ह (:-), उद्धरण चिन्ह (" ")।

20. (b)

21. (c) दी गई पंक्ति में 'उत्प्रेक्षा' अलंकार है। जहाँ उपमेय में उपमान की सम्भावना की जाए, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।

22. (d) दी गई पंक्ति में उपमा अलंकार है।

23. (d) ए, ऐ, ओ, औ संयुक्त स्वर हैं।

अ + इ = ए
अ + उ = ओ
अ + ए = ऐ
अ + ओ = औ

24. (b) पूर्वी हिन्दी का विकास अर्धमागधी अपभ्रंश से हुआ है। इसके अन्तर्गत अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी बोलियाँ आती हैं।

25. (b) भारत में आर्यभाषा का प्रारम्भ 1500 ई. पूर्व के आसपास माना जाता है। इसके अन्तर्गत वैदिक और लौकिक संस्कृत का विकास हुआ।

26. (b) 'जलधि' में तत्पुरुष समास है। जिसका विग्रह होगा – 'जल को धारण किया हुआ।'

27. (b)

28. (c) जो शब्द किसी क्रिया अथवा शब्द के पीछे जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहा जाता है। संस्कृत व्याकरण के अनुसार प्रत्यय तीन प्रकार के हैं–

1. **कृदन्त प्रत्यय**–क्रिया पदों के साथ जुड़ने वाले प्रत्यय।
2. **तद्धित प्रत्यय**–संज्ञा पदों के साथ जुड़ने वाले प्रत्यय।
3. **स्त्री प्रत्यय**–पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग रूप बनाने वाले प्रत्यय।

कृदन्त प्रत्ययों का प्रयोग क्रिया पदों या क्रियाओं के साथ जुड़कर नए शब्द बनाने के लिए होता है।

29. (c) वर्ण उस मूल ध्वनि को कहते हैं जिसका खण्ड न हो। जैसे–अ, ई, व, च, क इत्यादि। ड और ढ के नीचे बिन्दु लगाकर दो नए अक्षर ड़ और ढ़ बनाए गए हैं। ये संयुक्त व्यंजन हैं। जिनके उच्चारण में जीभ ऊपर उठकर झटके के साथ नीचे को आए। ड़-संघोष, अल्पप्राण, ढ़-संघोष, महाप्राण। अर्थात् ड़ और ढ़ को विकसित वर्ण कहा जाता है।

30. (b) शब्द-युग्म में ऐसे दो शब्द होते हैं, जो बोलने, सुनने तथा पढ़ने और लिखने में अधिक भिन्न नहीं लगते किन्तु जिनके अर्थ सर्वथा भिन्न होते हैं–जैसे सुवर्ण-सोना। सँवार-सजाना, संवार-उच्चारण का एक प्रयत्न तथा शूर-वीर, सूर-सूर्य, अन्धा, शष्टि-60 वर्ष तथा षष्ठी-छठी। अतः (b) विकल्प गलत है।

31. (b) दो वर्णों में सन्धि होती है। यदि इन दो वर्णों में से पहला वर्ण व्यंजन हो और दूसरा वर्ण व्यंजन अथवा स्वर हो, तो उससे जो विकार उत्पन्न होगा, उसे व्यंजन सन्धि कहते हैं। उच्छृंखल शब्द व्यंजन सन्धि का उदाहरण है। नियमानुसार यदि 'त' के सामने 'श' हो तो 'त' के स्थान पर 'च' और 'श' के स्थान पर 'छ' हो जाता है। जैसे–उत +शृंखला = उच्छृंखल, उत् + शिष्ट = उच्छिष्ट आदि।

32. (a) ऐसा वाक्यांश जो सामान्य अर्थ का बोध न कराकर किसी विलक्षण अर्थ की प्रतीति कराए, मुहावरा कहलाता है। दिया गया मुहावरा 'दिल कँपा देना' का सही अर्थ है–हरा देना।

33. (d) इच्छा पूर्ण करना, 'अरमान निकालना' मुहावरे का अर्थ है।

34. (c)

35. (b) जिस अनुभव की बात का संक्षेप में चमत्कारिक ढंग से कहा जाए, वह 'कहावत' है। 'एक तो चोरी ऊपर से सीना जोरी' लोकोक्ति का सही अर्थ है–अपराधी होकर उल्टा अकड़ दिखाना अथवा दोष करके न मानना।

36. (c) 37. (c) 38. (b)

39. (d) 40. (c)

41. (a)

42. (b)'सागर मुद्रा' के लेखक अज्ञेय जी हैं। इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ हैं हरी घास पर क्षण भर, बावरा अहेरी, इन्द्रधनुष रौंदे हुए, अरी ओ करुणा प्रभामय, आँगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार, क्योंकि मैं उसे जानता हूँ, महावृक्ष के नीचे, नदी के बाँक पर छाया, असाध्यवीणा आदि।

43. (a) सन् 1938 में पन्त जी के सम्पादकत्व में 'रूपाभ' का प्रकाशन हुआ। यह मुख्यत: प्रगतिशील विचारधारा का पत्र था, किन्तु इसमें प्रगतिवाद शब्द नहीं आया है।

44. (b) रामेश्वर शुक्ल अंचल 'अपराजिता' के लेखक हैं। वे मूलत: प्रेम और रोमांस के कवि हैं। मधुलिका, किरण बेला, करील, लाल चूनर, वर्षान्त के बादल और विरामचिन्ह इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ हैं।

45. (c)'वैराग्य संदीपनी' तुलसीदास की रचना है। इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ हैं–राम लला नहछू, रामाज्ञा प्रश्नावली, जानकी मंगल, रामचरितमानस, पार्वती मंगल, कवितावली, गीतावली, कृष्ण गीतावली, विनय पत्रिका, बरवै रामायण, दोहावली तथा हनुमान बाहुक।

46.(b) 47.(a) 48.(b)

49. (c) 50. (a)